

industry in order to take appropriate measures on signs of sickness and stagnation.

I would urge the House to pass the Tea Amendment Bill which has been submitted for consideration. A period of extended management take-over is necessary for tea in view of the agricultural nature of operations with a long gestation periods to ensure effective action for improvement of management of tea gardens which may have to be taken over by Government from time to time.

16.00 hrs.

**STATEMENT RE. NEW OIL STRIKE
IN GODAVARI OFFSHORE**

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF PETROLEUM IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI GARGI SHANKAR MISHRA) : Sir, I am happy to announce the discovery of oil in well G-1-6 drilled on G-1 structure in Godavari offshore by the ONGC.

Flow of oil has been obtained on conventional testing of G-1-6 well, which is a step-out well on the G-1 structure in Godavari offshore. This well located at about 2 kilometers South West of discovery well G-1-1 was spudded on 8th August, 1983 at a water depth of 248 meters and drilled down to 3208 meters. The 5th object perforated in the interval of 2150-2152 meters and 2154-2156 meters has produced oil and gas at the rate of 876 barrels per day with the GDR of 131 through 1/4" choke during the initial testing carried out on 1.12.1983, and 2-12-1983. Further testing of zone is in progress. One more object will be tested in this well. The well is located about 75 kilometers South West of Kakinada and 25 kilometers from the coast.

The first well on the structure, G-1-1, located at the water depth of 250 meters, produced 33° API oil at 500 barrels a day through 32/64" choke from a Neogene sand. In this a hisher sand produced significant quantity of gas with condensate on commercial testing.

G-1-6 is the second hydro carbon bearing well on this structure. G-1-6 well establishes the continuity of the accumulation. Further testing of this well and the drilling of more delineation wells will indicate the commercial viability of the accumulation. It may be recalled that oil and gas were also struck in the adjoining structure G-2 in February, 1983 also in Neogene sands. It confirms the petroliferous nature of the sediments of Krishna Godavari basin and thus significant for continuing offshore exploration in this basin where 3 exploratory wells out of 14 drilled in the offshore part of the basin have been found to be hydro-carbon bearing.

Present plans call for the drilling of two more step-out wells on the G-1 structure to assess the extent of accumulation.

MR. CHAIRMAN : We were to take up further discussion under Rule 193 at 4 O' Clock but the discussion on the Tea (Amendment) Bill will not take much. Is it the pleasure of the House that we conclude the Bill and then take up further discussion ? It will not take much time, it will take only 5-10 minutes.

श्री मनी राम बागड़ी (हिसार) : पहले यह बताया जाए कि पंजाब का क्या होगा ?

सभापति महोदय : इसके बाद ही होगा ।

श्री मनी राम बागड़ी : अगर रात को पंजाब चलेगा तो क्या फायदा होगा ? कैसे छपेगा ?

MR. CHAIRMAN : What is the sense of the House, let me know ?

SOME HON. MEMBERS : We oppose.

MR. CHAIRMAN : Then we take up further discussion under Rule 193 Shri Harish Rawat...(Interruption). We shall take it up later on.

श्री राम लाल राही : माननीय मन्त्री जी ने मेरा नाम लिया है ।... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : We will do it. We have taken up the other important subject. You reserve your right or take it up tomorrow or later on when the Bill is taken up....

(Interruptions)

Why don't you listen to me it will be

taken up after this discussion, then you can make your point if you like.

Now Shri Harish Rawat.

16.08 hrs.

[SHRI R.S. SPARROW *in the chair*]

16.08 hrs.

DISCUSSION ON THE SITUATION
 ARISING OUT OF REPORTED TRAINING
 CAMPS FOR TRAINING
 OF EXTREMISTS OF PUNJAB
 IN NEIGHBOURING AREAS
 OF THE STATE-*CONTD*

श्री हरीश रावत (अल्मोड़ा) : सभापति जी, आज जो जम्मू-काश्मीर से हुक्मरान है, वह इस देश की एक महान परम्परा की कड़ी हैं। मैं समझता हूँ, जो प्रश्न यहां पर डिसकस किया जा रहा है, उसके संदर्भ में उनको भावुकता से या राजनीतिक स्वार्थ के आधार पर नहीं सोचना चाहिए। मुझसे लेकर डॉ॰ स्वामी तक किसी भी व्यक्ति की यह दिली ख्वाहिश होगी कि इन कैम्पस के विषय में जो कुछ खबरों या मँग-जीन में साया आ रहा है, वह सत्य न हो। कोई भी राष्ट्र-भक्त इस बात को सहन नहीं कर पायेगा कि उग्रवादियों के कैम्प आयोजित किए जाएं और उन कैम्पों में लोगों को जाति विद्वेश और धार्मिक विद्वेश तथा ऐसी उग्रवादी कार्य-वाहियों की ट्रेनिंग दी जाए जिससे राष्ट्र की एकता खतरे में पड़ सकती है। कोई भी इस बात को सहन नहीं करेगा कि इन कैम्पों में भारत के झण्डे या परम्परा की अवहेलना करने की छूट दी जाये। वह चाहे वरक ग्राम उधमपुर, पंछ, पुलवाना, बारामुला या दिगाना आश्रम की कैंप हो या वह कैम्प हो जिसको एक दो दिन पहले जम्मू-काश्मीर के मुख्यमंत्री जी ने सम्बोधित किया है। हम चाहते हैं कि इन समाचारों को यकीन न करें। हकीकत कुछ और ही बताती है। नए मुख्य मन्त्री के द्वारा इन कैम्पों को अटेन्ड किया जा रहा है और उनकी प्रेजेन्स में लोगों के द्वारा खालिस्तान आदि के नारे भी

बुलन्द किए जा रहे हैं। ए० आइ० एस० एस० एफ० एक उग्रवादी संगठन है जिसकी गति-विधियां भी अवांछनीय हैं। उस संगठन के निमंत्रण पर एक मुख्य मन्त्री अमृतसर भी जाने वाले थे लेकिन किसी कारणवश या बीमार पड़ जाने के कारण वे जा नहीं पाए। यह भी एक हकीकत है।

चाहे एक दिवसीय क्रिकेट मैच हो चाहे मीर वायज फारूख के साथ श्रीनगर में चुनाव के समय किया गया समझौता हो या उसके बाद मीर वायज फारूख के साथ दोहराई गई यह बात हो कि हम जिहाद के लिए तैयार रहें, ये सारी घटनाएं ऐसी हैं जो अपने आप में जुड़ी हुई हैं।

आज मुख्य मन्त्री बार-बार एक बात दोहराते हैं। यह कहा जाता है कि राज्य के साथ सौतेलेपन का व्यवहार किया जा रहा है। जम्मू काश्मीर के मुख्य मन्त्री इस तरह की बात दोहराते हैं तो उससे सारे देश को नुक्सान होता है। वहां जो उग्रवादी संगठन हैं जो विदेशी शक्तियों के इशारे पर काम करते हैं, जमायते तुलबा हैं, इस्लामी मुहाजे आजादी है, उनको बढ़ावा मिलता है। आप तो जानते ही हैं कि श्रीनगर में एक दिवसीय क्रिकेट मैच में मुख्य मन्त्री की उपस्थिति में हिन्दुस्तान को नीचा दिखाने की कोशिश की गई, हिन्दुस्तान के खिलाफ नारे लगाए गए।

आज जम्मू काश्मीर में अपने राजनीति विरोधियों का दमन करने के लिए पुलिस एक्ट 1925 का सहारा लिया जा रहा है। एक नौजवान का एक बयान शायद हुआ है जिसमें उन्होंने कुछ ऐसी बातें कहीं जिनको मुख्य मन्त्री को कंट्रिब्यूट करना चाहिये था, उनका प्रतिवाद करना चाहिये था लेकिन नहीं किया। यह गम्भीर आरोप है। उससे किसी भी व्यक्ति का दिल शंका से भरे बिना नहीं रह सकता है।

जो कुछ भी आज इन ट्रेनिंग कैम्पों में हो रहा है, या पंजाब में जो घटनाएं हो रही हैं उस